MARGDARSHAN IAS

Special Offers

DIWALI

2026- हिन्दी साहित्य
OPTIONAL ANSWER WRITING & GUIDANCE PROGRAMME

www.margdarshanias.com

+91 85878 15900, +91 93547 65382

10% OFF

Our Website : www.margdarshanias.com
Download Our App : App Store | Google play
100K Learners Strong!
Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2026 ~~₹ 14,999~~ ₹ 13500
MAGP 2027 ~~₹ 24,999~~ ₹ 20000
Happy Diwali

Check out real evaluated copies from Margdarshan IAS. Learn from detailed feedback, improve your structure, and boost your UPSC Mains performance!

Margdarshan IAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

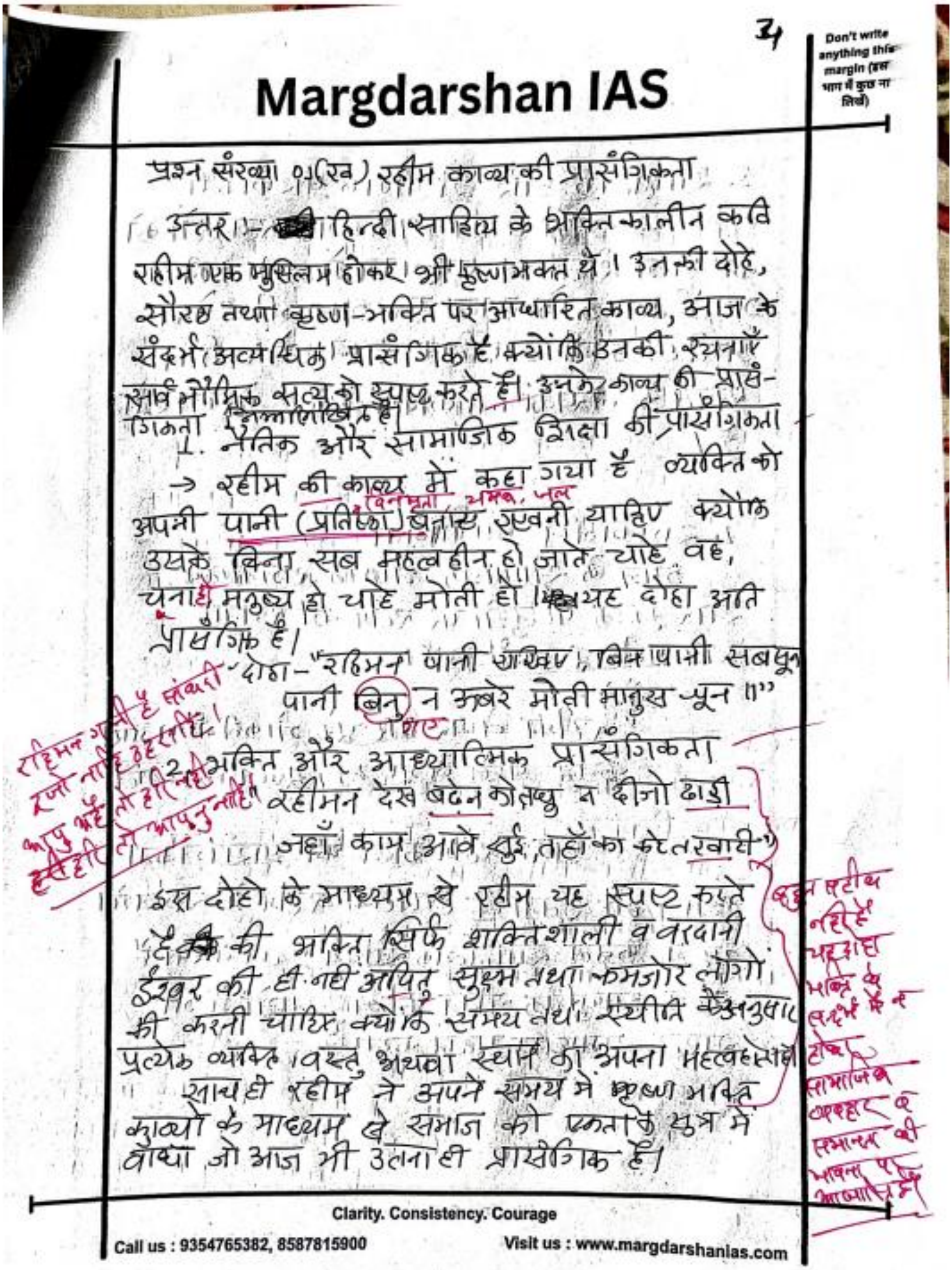

प्रश्न संख्या 01(ख) रहीम काव्य की प्रासंगिकता

उत्तर :- ~~[illegible]~~ हिन्दी साहित्य के भक्तिकालीन कवि रहीम एक मुस्लिम होकर भी कृष्णभक्त थे। उनकी दोहे, सौरठ तथा कृष्ण-भक्ति पर आधारित काव्य, आज के संदर्भ अत्यधिक प्रासंगिक है क्योंकि उनकी रचनाएँ सार्वभौमिक सत्य को स्पष्ट करते हैं। उनके काव्य की प्रासंगिकता निम्नलिखित है

1. नैतिक और सामाजिक शिक्षा की प्रासंगिकता

→ रहीम की काव्य में कहा गया है व्यक्ति को अपनी पानी (प्रतिष्ठा) बनाए रखनी चाहिए क्योंकि उसके बिना सब महत्वहीन हो जाते चाहे वह, चना हो मनुष्य हो चाहे मोती हो। यह दोहा अति प्रासंगिक है।

दोहा- "रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून
पानी बिनु न ऊबरे मोती मानुस चून ।।"

2. भक्ति और आध्यात्मिक प्रासंगिकता

"रहीमन देख बड़ेन को लघु न दीजो डारी
जहाँ काम आवे सुई, तहाँ का करे तरवारी"

इस दोहो के माध्यम से रहीम यह स्पष्ट करते है की भक्ति सिर्फ शक्तिशाली व वरदानी ईश्वर की ही नही अपितु सुक्ष्म तथा कमजोर लोगो की करनी चाहिए क्योंकि समय तथा स्थीति के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान का अपना महत्व होता

साथ ही रहीम ने अपने समय मे कृष्ण भक्ति काव्यों के माध्यम से समाज को एकता के सूत्र में बाँधा जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

(Evaluator's marginal notes, in red: "विनम्रता, सम्मान, जल"; "रहिमन गली है सांकरी दूजो ना ठहराहिं। आपु अहै तो हरि नहीं हरि तो आपुन नाहिं"; "दोहा सटीक नहीं है यह दोहा भक्ति के संदर्भ में न होकर सामाजिक व्यवहार व समानता की भावना पर आधारित है")

Clarity. Consistency. Courage
Call us : 9354765382, 8587815900
Visit us : www.margdarshanias.com

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store | GET IT ON Google Play

Our Website :
www.margdarshanias.com
Download Our App :
Available on the iPhone App Store
Google play
100K Learners Strong !
✦ Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS ✦
MAGP 2026
~~₹ 14,999~~
₹ 13500
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2027
~~₹ 24,999~~
₹ 20000
Happy Diwali

3. साहित्यिक और शैक्षणिक प्रासंगिकता
→ उनकी समस्त साहित्यिक रचनाओं को को अभि शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, तथा उनके काव्य पर आज भी शोध आरी है। उनकी साहित्यिक रचनाओं वर्तमान समय के लेखकों तथा कवियों के लिए प्रेरणा स्रोत है।

4. समकालीन उपयोगिता
आज के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पहलुओं पर रहीम की रचनाएँ शत प्रतिशत प्रासंगिक है।
जैसे
"रहीमन वे नर मर चुके जो कहीं माँगन जाहीं
उनते पहले वे मुए, जिन मुख निकसत नाहीं"
अतः रहीम काव्य की प्रासंगिकता आज भी उतना ही है जितना रहीम के समय में। यह न केवल साहित्यिक सौंदर्य प्रदान करता है बल्कि आधुनिक जीवन की जटिलताओं में भी सरल समाधान प्रदान करता है

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store
GET IT ON Google Play

Our Website : www.margdarshanias.com
Download Our App : App Store | Google play
100K Learners Strong !
✦ Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS ✦
MAGP 2026 ₹14,999 ₹ 13500
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2027 ₹24,999 ₹ 20000
Happy Diwali

Margdarshan IAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रश्न 01(ख) ब्रजभाषा की व्याकरणिक विशेषताएँ

उत्तर – 150 शब्द

ब्रज प्रदेश में आरम्भिक हिन्दी से विकसित हुई ब्रजभाषा भक्ति काल में काव्य रूप में प्रचलित हुई। इस भाषा की व्याकरणिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

1. परसर्ग

(क) करण – सम, सऊँ, तैं, सौं

उदाहरण – " मैं निरस हौं, तैं मुरली सुन्यो।"

(ख) संबंध – कौ, को, के, की

उदाहरण – राम कौ बीटा (राम का बेटा)

2. विभक्ति – "हिं" तथा "नु" विभक्ति का कई कारकों के रूप में प्रयोग

उदाहरण – राम हिं बिटा खेलत है।
सीता नु पुस्तक दीन्हो।

3. सर्वनाम – हौं, हउँ, मोहि, हमारो, कवन, कोउ सो, जैसे शब्दों का प्रयोग।

उदाहरण → सो कवन जाहि तिहारो गाँव ?
→ मोहि तुम बिनु कोउ न भायो।

4. क्रिया संरचना – कुछ विशेष वर्णों या शब्दों का प्रचलन

(क) वर्तमान काल – "त" रूप प्रचलित
→ "कहत, नटत, रीझत, खीझत, मिलत खिलत, लजियात।"

[Evaluator's margin notes:]
1- 'ऐं' का प्रयोग जैसे – आयौ, कहाँ, जाओ
2- 'ड़' के स्थान पर ब्रज में 'र' मिलता है। जैसे – कुरा, घरा, जरत
उत्कृष्ट कार्य
3- पुल्लिंग एकवचन में प्रायः 'उ' अन्त तथा अव्यय – पर 'ह' लगता है – जैसे – कछु, सब, हरि, कालि
4- संख्यावाचक – पहिलौ, तीनि, दोउ, दूजो आदि।

Clarity. Consistency. Courage

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store | GET IT ON Google Play

Our Website : www.margdarshanias.com
Download Our App : App Store Google play
100K Learners Strong !
✦ Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS ✦
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2026 ₹ 14,999 ₹ 13500
MAGP 2027 ₹ 24,999 ₹ 20000
Happy Diwali

(ख) भूतकाल के लिए- कियो, गयौ, बंध्यौ जैसे शब्द का प्रचलन
उदाहरण-"अली कली ही सौं बंध्यौ"

(ग) भविष्य काल के लिए "ग" "ह" जैसे शब्द का प्रचलन
जैसे - करिहैं, करैगो

(घ) सहायक क्रिया के लिए - भयो, भये, भई, है हैं, हौं है।
उदाहरण 'हमारो मन भये तिहारो प्रेम मों'

5. वचन संरचना
→ एकवचन शब्दों को बहुवचन बनाने वाले प्रत्ययों के प्रायः दो रूप मिलते हैं।
(क) अनुनासिक रूप → अंखियाँ, बतियाँ, बतियाँ
(ख) 'न' ईंया 'अन' रूप → सखियन, ब्रजवासिन

अतः ब्रजभाषा की व्याकरण सरल एवं रसपूर्ण अभिव्यक्ति देती है।

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store
GET IT ON Google Play

Our Website : www.margdarshanias.com
Download Our App : App Store Google play
100K Learners Strong !
Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2026 ₹ 14,999 ₹ 13500
MAGP 2027 ₹ 24,999 ₹ 20000
Happy Diwali

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Margdarshan IAS

प्रश्न 2.(क) पश्चिमी हिन्दी की किन्ही दो बोलियों की व्यकरणिक विशेषताऐं

उत्तर :- 'पश्चिमी हिन्दी', हिन्दी भाषा का सबसे बड़ा उपवर्ग है जिसके अंतर्गत आनेवाली बोलियाँ हैं- ब्रजभाषा, खड़ीबोली, बुंदेली, कन्नौजी, हरियाणी, तथा दकिखनी। इन बोलियों में से खड़ीबोली तथा हरियाणी की व्याकरणिक विशेषताऐं निम्नलिखित हैं।

1. खड़ी बोली की व्याकरणिक विशेषताऐं

(क) सर्वनाम के मुख्य रूप है- मैं, मे, मुझ, म्हारा, तम, हमारा, थारा, जिस्का, कोण, कुण, किस्का, किणका आदि। प्रमुख क्रियाविशेषण - कितने - के, अब - इब, जैसे - जैसे, ज्यों - जूँ आदि

(ख) क्रिया रूप - वर्तमान काल में साहित्यिक हिन्दी के 'त - रूप' के स्थान पर 'उ - रूप' तथा 'व - रूप' इसकी विशेषताऐं हैं। - मारता है - मारे - मारे है, मारू
भूतकाल का 'या - रूप' जैसे - चल्या, कर्या - मारा था, मारे था आदि
भविष्य काल में गा, गे, गी का प्रयोग इसमें भी होता है किन्तु द्वित्वीकरण इसकी अपनी विशेषता है जैसे जाऊँगा से जाऊँग्गा ॥

(ग) सामान्य हिन्दी में स्त्रीलिंग के लिए प्रयुक्त होने वाला प्रत्यय 'इन' खड़ी बोली में 'अन' हो जाता है; जैसे - मालिन - मालन, नागिन - नागन

खड़ी बोली पर ब्रजभाषा का प्रभाव
जैसे - कहता है - कहे है, होगा - होगा, किया

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store GET IT ON Google Play

Our Website : www.margdarshanias.com
Download Our App : App Store Google play
100K Learners Strong !
✦ Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS ✦
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2026 ₹ 14,999 ₹ 13500
MAGP 2027 ₹ 24,999 ₹ 20000
Happy Diwali

Margdarshan IAS

(घ) बहुवचन बनाने के लिए - 'न' या 'निन' का प्रयोग
जैसे - लड़िका - लड़िकन, नारी - नारिनिन

(ङ.) कारक

- करण कारक के लिए - से, स, सन का प्रयोग
  जैसे - भाई सन बात करीन्ही
- अपादान कारक के लिए - 'से' या 'सों'
  जैसे → घर सों बाहर आवा।

२. हरियाणवी की व्याकरणिक विशेषताएँ

(क) इसमे 'नै' परसर्ग कर्ता, कर्म, सम्प्रदान तीनो में प्रयुक्त होता है। इसके अतिरिक्त करण और सम्प्रदान कारक के लिए 'नई' तथा संबंध कारक के लिए 'केइ' एवं 'के' का प्रयोग होता है।

→ उदाहरण → राम नै बाण मारा।
→ बालक नै रोटी दे।
→ यो रमेश केइ घर से।

(ख) क्रिया रूप → वर्तमान काल के लिए सूं, हूं, से, सैं
→ भूतकाल के लिए "था", "थ्या", "थी"
जैसे → वो आग्या (वो आया)
→ भविष्य काल के लिए "सै" जैसे - वो जासे (वो जाएगा)
→ आदेशात्मक रूप मे संक्षेपण
जैसे - जा (जाओ), खा (खाओ)

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store
GET IT ON Google Play

Our Website : www.margdarshanias.com
Download Our App : App Store Google play
100K Learners Strong !
✦ Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS ✦
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2026 ~~₹ 14,999~~ ₹ 13500
MAGP 2027 ~~₹ 24,999~~ ₹ 20000
Happy Diwali

(ग) वाक्य-रचना की विशेषताएँ

→ खड़ी बोली की तुलना में अधिक सहजता

→ दुहराव की प्रवृत्ति – जैसे – जल्दी-जल्दी, धीरे-धीरे

→ नकारात्मक वाक्य में कोणी का प्रचलन
→ मैं कोणी करूँ – (मैं नहीं करूँगा)

(घ) लिंग परिवर्तन

→ पुल्लिंग शब्दों के साथ "आ" प्रत्यय/आकरांत
उदाहरण – लड़का, छोरा,

→ स्त्रीलिंग रूप के लिए – ई/णी प्रत्यय का प्रयोग
लड़की, छोरनी

उदाहरण – छोरा खेलै सै। (लड़का खेल रहा है)
– छोरनी खेलै सै। (लड़की खेल रही है।)

अतः पश्चिमी हिन्दी उपभाषा की बोलियाँ की खड़ी बोली तथा हरयाणी (हरयाणवी) की व्याकरणिक विशेषताएँ उत्कृष्ट हैं।

(Evaluator's remarks in margin:) अध्याय की आवश्यकता है। 6 — 4/10

उदाहरण दें — जैसे – खड़ी बोली – किसी मनुष्य के दो पुत्र थे। उनमें से छोटे ने पिता से कहा कि हे पिता अपनी सम्पत्ति में से जो मेरा हिस्सा है वो मुझे दीजिए। तब उसने उनको अपनी सम्पत्ति बाँट दी।
हरियाणवी – एक माणस के दो छोरे थे। उन में तै छोटे छोरे ने बापू तै कह्या बापू हो धन का जोणसा हिस्सा मेरे बाँडे में आवै है मन्नै दे दे। तो उस ने धन उन्हें बाँड दिया।

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store GET IT ON Google Play

Our Website :
www.margdarshanias.com
Download Our App :
App Store
Google play
100K Learners Strong !
Celebrate This Diwali with Margdarshan IAS
Flat 10 % Off On All Courses And Study Material*
MAGP 2026
₹ 14,999
₹ 13500
MAGP 2027
₹ 24,999
₹ 20000
Happy Diwali

Launching on
5th Sep 2025
हिन्दी साहित्य
MARGDARSHAN IAS
Optional Mains 2026
Answer Writing & Guidance Programme
Shri Rajesh Kumar Rai
Retd. Superintendence of Police (UP Prison)